सिंगरौली-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विन्ध्य नगर एन.टी.पी.सी. के वेवा क्लब में 'पीसफुल माइंड एंड ब्लिसफुल लाइफ' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी, कलेक्टर अनुराग चौधरी, एस.पी. विनीत जैन, राजेन्द्र मोहन आर्य,जनरल मैनेजर,वि.न. एन.टी.पी.सी. फिनान्स, सुभाष गोखले,वाइस प्रेसीडेंट,वेवा क्लब, ब्र.कु. अवधेश बहन, ब्र.कु. शैलजा तथा अन्य गणमान्य लोग।

एरनाकुलम-कर्नाटक। ब्रह्माकुमारीज़ के ज्युरिस्ट विंग द्वारा आयोजित कॉन्फ्रेन्स का उद्घाटन करते हुए जस्टिस कुरियन जोसेफ,जज,सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया, जस्टिस सिरियाक जोसेफ,रिटा. जज,सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया, जस्टिस भगवान दास राठी,रिटा. जज,हाई कोर्ट मध्य प्रदेश, डॉ. रश्मि एम. ओझा, ब्र.कु. रामकृष्णा, एडवोकेट एम.आर. राजेन्द्रन नायर, ब्र.कु. वसन, ब्र.कु. राधा, ब्र.कु. सुरेन्द्रन तथा अन्य।

पाटण-गुज.। कलेक्टर आनंद बी. पटेल को नव वर्ष के अवसर पर ईश्वरीय सौगात एवं टोली भेंट करते हुए ब्र.कु. नीता।

अम्बिकापुर-छ.ग.। मीडियाकर्मियों के लिए आयोजित 'मीडिया संवाद' विषयक कार्यक्रम के दौरान ईश्वरीय स्मृति में वरिष्ठ पत्रकार एवं मूल्यानुगत मीडिया के संस्थापक प्रो. कमल दीक्षित, वरिष्ठ पत्रकार सुधीर पाण्डे, ब्र.कु. विद्या दीदी तथा अन्य।

राऊरकेला-कोयलनगर(ओडिशा)। काली पूजा के समापन अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़, गवर्नमेंट हॉस्पिटल ब्लड बैंक टीम एवं से. 1 कम्युनिटी सेंटर अथॉरिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'ब्लड डोनेशन कैम्प' के पश्चात् समूह चित्र में डॉ. पंडित साहू,ब्लड बैंक ऑफिसर,गवर्नमेंट हॉस्पिटल, सुरेन्द्र बराल,सेक्रेट्री, मीनाकेतन राऊत,एग्ज़ीक्युटिव मेम्बर,से. 1 कम्युनिटी सेंटर, डॉ. बसंत कुमार मिश्रा,हेल्थ ऑफिसर,म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, ब्र.कु. भाई बहनें तथा अन्य।

ज्ञान के माध्यम से वास्तविकता को उजागर करें

- गतांक से आगे...

कर्म बंधन नहीं बनता जब आत्मभाव में स्थित होकर कर्म करते हैं। हर एक को आत्मभाव में देखकर के कर्म करो तो कभी भी कर्म के बंधन में नहीं बंधेंगे। जिस प्रकार सूर्य एक है और सारे ब्रह्माण्ड को प्रकाशित करता है, ऐसे परमात्मा ज्ञान सूर्य अपनी ज्ञान किरणों से सबकी चेतना में ज्ञान प्रकाश फैलाते हैं। जो लोग ज्ञान-चक्षु से क्षेत्र और क्षेत्रज्ञ के अंतर को समझ लेते हैं, वह श्रेष्ठ गति को प्राप्त करते हैं। भावार्थ ये है कि आज जीवन के अंदर ज्ञान की आवश्यकता क्यों है? जैसे सूर्य की रोशनी में सब कुछ स्पष्ट दिखाई देता है, ऐसे ही ज्ञान ऐसा प्रकाश है, जिससे अंदर का रहा हुआ अंधकार समाप्त हो जाता है। अज्ञानता समाप्त होती है। नहीं तो अज्ञानता के कारण हमारे कई कर्म ऐसे बन जाते हैं जो हमें बांधने वाले हो जाते हैं। इसलिए ज्ञान की आवश्यकता है। इसलिए कलियुग के अंदर जीवन व्यतीत करने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान की बहुत...बहुत....बहुत...आवश्यकता है। तभी हम आत्मा की शक्तियों को यथार्थ दिशा में चैनलाइज़ कर सकते हैं। नहीं तो व्यक्ति अपनी शक्ति को, अपनी क्षमता को व्यर्थ ही गंवा देता है।

एक बार एक व्यक्ति था। उसके पास एक ज़मीन का टुकड़ा था। वो ऐसी बंजर ज़मीन थी, जिस पर कुछ नहीं उगता था। कुछ उसके पास भेड़-बकरियां थी। लेकिन समय प्रति समय उसने कर्जा लेकर के अपने परिवार को चलाया, अपने कार्य पूर्ण करने के लिए कई कर्ज़े लिए। काफी कर्ज़ों का बोझ उसके ऊपर चढ़ गया। एक दिन वो अपनी बंजर ज़मीन के टुकड़े पर खाट डालकर सोच रहा था कि कितना कर्ज़ बढ़ गया है। और ये आठ-दस भेड़-बकरियां मेरे पास हैं। उनको बेचकर के भी मैं तो अपना कर्ज़ा चुका नहीं सकता हूँ और ये बंजर ज़मीन में तो कुछ नहीं होने वाला है। ऐसा जीवन जी करके फायदा क्या? इतना उदास हो गया अपने जीवन से कि उसके मन के अंदर यही विचार आया कि जीवन का अंत कर देना ही ठीक है। ऐसा जीवन मैं कब तक जीता रहूंगा? ऐसी निराशावादी भावनायें उसके अंदर चल रही थीं। उतने में उसने देखा कि दूर से कुछ लोग आ रहे हैं। जैसे ही उसके पास आये तो लोगों ने ये सवाल पूछा कि ये ज़मीन का टुकड़ा किसका है? तो उसने कहा मेरा है। तो लोगों ने कहा कि ऐसा है कि हम सरकार की तरफ से आए हैं और हम लोगों के अपने रिसर्च के आधार पर पता चला है कि इस जमीन के नीचे बहुत तेल है और इसलिए हम थोड़ा ड्रिलिंग करना चाहते हैं कि सचमुच हमारा रिसर्च सही है या गलत है। उसने सोचा कि वैसे ही बंजर ज़मीन है कोई काम की तो है नहीं। भले ड्रिलिंग करो। तो उन लोगों ने जब ड्रिलिंग किया तो पता चला कि प्रतिदिन एक लाख पच्चीस हज़ार बैरल तेल निकल सकता है। इतना नीचे तक तेल है, इतनी समृद्ध ये ज़मीन है। तो उन्होंने कहा कि आप हमें ये ज़मीन का टुकड़ा बेचेंगे? जितने करोड़ रुपये आप कहेंगे उतने पैसे हम देंगे। तो वह व्यक्ति सोचने लगा कि अभी पाँच मिनट पहले मैं अपने भाग्य को कोस रहा था कि मैं कितना गरीब हूँ, इतना कर्ज़ा है मेरे ऊपर और मैं कर्ज़ा कैसे चुकाऊंगा? इससे तो मर जाना ठीक है। कितनी निगेटिव भावनायें मेरे मन के अंदर स्वयं के प्रति आ रही थीं। लेकिन इस ज़मीन के नीचे इतना अमूल्य धन है उसका मुझे कोई ज्ञान ही नहीं था। ठीक इसी प्रकार व्यक्ति के भीतर भी अथाह शक्ति, अथाह क्षमता है। लेकिन जब तक वो शक्ति और क्षमता को जानता नहीं है, उसको बाहर लाता नहीं है, तब तक वो भी आध्यात्मिक रूप से गरीब है और आध्यात्मिक खज़ानों से वंचित है। लेकिन जब आध्यात्मिक ज्ञान के माध्यम से अपनी वास्तविकता को जानता है, उस शक्ति को अगर वो उजागर करता है, बाहर ले आता है तो उसके जैसा समृद्ध इस संसार में कोई नहीं है। भावार्थ ये है कि हमें भी अपने आप में ड्रिलिंग करने की आवश्यकता है। वह ड्रिलिंग कोई स्थूल ड्रिलिंग की बात नहीं है। आध्यात्मिक ज्ञान और मेडिटेशन के माध्यम से, ध्यान के माध्यम से हम भीतर जायें और अपनी वास्तविकता को उजागर करें। अपनी शक्तियों को बाहर ले आयें। जितना उन शक्तियों को बाहर ला सकते हैं। उतनी श्रेष्ठ गति को हम प्राप्त कर सकते हैं। यही बात भगवान अर्जुन को स्पष्ट करना चाहते थे। - क्रमशः

-ब्र.कु.ऊषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

ख्यालों के आईने में...

आप उस दिन परमात्मा
के द्वार पहुँचेंगे,
जिस दिन आप धन्यता
से भर जायेंगे।
आप परमात्मा से कहेंगे
कि मेरी कोई क्षमता नहीं है,
सब आप ही हैं।
उस दिन एक प्रार्थना का
जन्म होगा,
आप शून्य हो जायेंगे,
एक ऐसा शून्य, जिससे
सारा अस्तित्व उतर आता है।
उस दिन आपको परमात्मा के
अनुग्रह के अतिरिक्त कुछ
दिखाई नहीं देगा,
फिर आपकी कोई मृत्यु नहीं है,
मृत्यु वासनाओं की है।

मन की खुशी और सच्ची शांति के लिए देखें
आपका अपना 'पीस ऑफ माइंड चैनल'

'Peace of Mind' channel

TATA Sky 1065 | airtel digital TV 678 | FASTWAY | GTPL | DEN
VIDEOCON d2h 497 | RELIANCE Digital TV 640 | hathway | UCN | DigiCable | SITI

Free to Air
ABS FREE DTH
KU Band with MPEG (DVB-S/S2) Receiver
LNB Freq. - 10600/10600
Tans Freq. - 11911
Polarization - Horizontal
Symbol - 44000
22k - On
Satellite - ABS-2; 75° E
Contact
Brahma Kumaris, 2nd Flr Anand Bhawan, Shantivan, Sirohi, Abu Rd, Raj-307510
+91 9414151111
+91 8104777111
info@pmtv.in
www.pmtv.in

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें...

कार्यालय- ओमशान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए

सम्पर्क - M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org,
Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये, आजीवन 4500 रुपये।

विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम से मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।